

## CHAPTER - III

### LEVY AND COLLECTION OF TAX

#### Section 5 : Levy and collection.

- (1) Subject to the provisions of sub-section (2), there shall be levied a tax called the integrated goods and services tax on all inter-State supplies of goods or services or both, except on the supply of alcoholic liquor for human consumption, on the value determined under section 15 of the Central Goods and Services Tax Act and at such rates, not exceeding forty per cent., as may be notified by the Government on the recommendations of the Council and collected in such manner as may be prescribed and shall be paid by the taxable person:

**Provided** that the integrated tax on goods imported into India shall be levied and collected in accordance with the provisions of section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) on the value as determined under the said Act at the point when duties of customs are levied on the said goods under section 12 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962).

- (2) The integrated tax on the supply of petroleum crude, high speed diesel, motor spirit (commonly known as petrol), natural gas and aviation turbine fuel shall be levied with effect from such date as may be notified by the Government on the recommendations of the Council.
- (3) The Government may, on the recommendations of the Council, by notification, specify categories of supply of goods or services or both, the tax on which shall be paid on reverse charge basis by the recipient of such goods or services or both and all the provisions of this Act shall apply to such recipient as if he is the person liable for paying the tax in relation to the supply of such goods or services or both.
- <sup>1</sup>[(4) The Government may, on the recommendations of the Council, by notification, specify a class of registered persons who shall, in respect of supply of specified categories of goods or services or both received from an unregistered supplier, pay the tax on reverse charge basis as the recipient of such supply of goods or services or both, and all the provisions of this Act shall apply to such recipient as if he is the person liable for paying the tax in relation to such supply of goods or services or both.]

---

<sup>1</sup> Sub-section (4) substituted by IGST (Amendment) Act, 2018 (32 of 2018). It is made effective from 01-02-2019 by Noti. No. 01/2019-Integrated Tax, dt. 29-01-2019. Earlier to substitution it read as under:

"(4) The integrated tax in respect of the supply of taxable goods or services or both by a supplier, who is not registered, to a registered person shall be paid by such person on reverse charge basis as the recipient and all the provisions of this Act shall apply to such recipient as if he is the person liable for paying the tax in relation to the supply of such goods or services or both."

**Integrated Goods & Services Tax Act, 2017**

- (5) The Government may, on the recommendations of the Council, by notification, specify categories of services, the tax on inter-State supplies of which shall be paid by the electronic commerce operator if such services are supplied through it, and all the provisions of this Act shall apply to such electronic commerce operator as if he is the supplier liable for paying the tax in relation to the supply of such services:

**Provided that** where an electronic commerce operator does not have a physical presence in the taxable territory, any person representing such electronic commerce operator for any purpose in the taxable territory shall be liable to pay tax:

**Provided further** that where an electronic commerce operator does not have a physical presence in the taxable territory and also does not have a representative in the said territory, such electronic commerce operator shall appoint a person in the taxable territory for the purpose of paying tax and such person shall be liable to pay tax.

### अध्याय 3

### कर का उद्ग्रहण और संग्रहण

#### धारा 5 : कर का उद्ग्रहण और संग्रहण

- (1) उपधारा (2) के उपबन्धों के अध्यक्षीन, केन्द्रीय माल और सेवा कर अधिनियम की धारा 15 के अधीन अवधारित मूल्य पर मानव उपभोग के लिए मद्यसारिक पान की पूर्ति के सिवाय माल या सेवा या दोनों की समस्त अंतरराज्यिक पूर्तियों पर एकीकृत माल और सेवा कर नामक कर उद्ग्रहीत किया जाएगा और जो चालीस प्रतिशत से अनधिक की ऐसी दर पर होगा, जो परिषद् की सिफारिशों पर सरकार द्वारा अधिसूचित की जाए और उसे ऐसी रीति में संगृहीत किया जाएगा, जो विहित की जाए और उसे कराधेय व्यक्ति द्वारा संदत्त किया जाएगा :

**परन्तु** भारत में आयातित माल पर एकीकृत कर सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 के उपबन्धों के अनुसार उक्त अधिनियम के अधीन यथा अवधारित मूल्य पर उस बिन्दु पर उद्ग्रहीत और संगृहीत किया जाएगा, जब सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 12 के अधीन उक्त माल पर सीमाशुल्क उद्ग्रहीत किया जाता है।

- (2) अपरिष्कृत पेट्रोलियम, उच्च गति डीजल, मोटर स्प्रिट (सामान्यतया पेट्रोल के रूप में ज्ञात), प्राकृतिक गैस और विमान टर्बाइन ईंधन की पूर्ति पर एकीकृत कर ऐसी तारीख से उद्ग्रहीत किया जाएगा, जो सरकार द्वारा परिषद् की सिफारिशों पर अधिसूचित की जाए।
- (3) सरकार, परिषद् की सिफारिशों पर अधिसूचना द्वारा माल या सेवाओं या दोनों की पूर्ति के ऐसे प्रवर्ग विनिर्दिष्ट कर सकेगी, जिस पर कर ऐसे माल या सेवाओं या दोनों के प्राप्तिकर्ता द्वारा प्रतिलोम प्रभार आधार पर संदत्त किया जाएगा और इस अधिनियम के सभी उपबन्ध ऐसे प्राप्तिकर्ता पर इस प्रकार लागू होंगे, मानों वह ऐसे माल या सेवाओं या दोनों की पूर्ति के सम्बन्ध में कर का संदाय करने के लिए दायी व्यक्ति हो।

- <sup>1</sup>[(4) सरकार, परिषद् की सिफारिशों पर, अधिसूचना द्वारा, ऐसे रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों के वर्ग व्यक्तियों के वर्ग को विनिर्दिष्ट कर सकेगी, जो अरजिस्ट्रीकृत पूर्तिकर्ता से प्राप्त माल या सेवाओं या दोनों के विनिर्दिष्ट प्रवर्गों की पूर्ति की बाबत, माल या सेवाओं या दोनों की ऐसी पूर्ति के प्राप्तिकर्ता के रूप प्रतिलोम प्रभार आधार पर कर का संदाय करेगा और इस अधिनियम के सभी उपबन्ध ऐसे प्राप्तिकर्ता को इस प्रकार लागू होंगे, मानो वह ऐसे माल या सेवाओं या दोनों की ऐसी पूर्ति के संबंध में कर का संदाय करने के लिए दायी व्यक्ति हो।]

- (5) सरकार, परिषद् की सिफारिशों पर, अधिसूचना द्वारा सेवाओं के प्रवर्ग, अंतरराज्यिक पूर्ति पर कर विनिर्दिष्ट कर सकेगी, जो इलेक्ट्रानिक वाणिज्य आपरेटर द्वारा संदत्त किया जाएगा, यदि ऐसी सेवा की पूर्ति उसके माध्यम से की जाती है और इस अधिनियम के सभी उपबन्ध ऐसे इलेक्ट्रानिक वाणिज्य आपरेटर पर इस प्रकार लागू होंगे, मानों वह ऐसी सेवाओं की पूर्ति के सम्बन्ध में कर का संदाय करने के लिए दायी पूर्तिकार हो :

1 उपधारा (4) एकीकृत माल और सेवा कर (संशोधन) अधिनियम, 2018 (2018 का 32) द्वारा प्रतिस्थापित। अधिसूचना क्रमांक 1/2019-एकीकृत कर, दिनांक 29.01.2019 द्वारा इसको दिनांक 01.02.2019 से प्रभावशील किया गया।

प्रतिस्थापन के पूर्व यह इस प्रकार थी :

- "(4) कराधेय माल या सेवाओं या दोनों की पूर्ति के सम्बन्ध में एकीकृत कर ऐसे पूर्तिकार द्वारा, जो रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के पास रजिस्ट्रीकृत नहीं है, ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रतिलोम प्रभार आधार पर प्राप्तिकर्ता के रूप में संदत्त किया जाएगा और इस अधिनियम के सभी उपबन्ध ऐसे प्राप्तिकर्ता पर इस प्रकार लागू होंगे, मानों वह ऐसे माल या सेवाओं या दोनों की पूर्ति के सम्बन्ध में कर का संदाय करने के लिए दायी व्यक्ति हो।"

## एकीकृत माल और सेवा कर अधिनियम, 2017

**परन्तु** जहां कोई इलेक्ट्रानिक वाणिज्य आपरेटर कराधेय राज्यक्षेत्र में स्वयं उपस्थित नहीं है, वहां कराधेय राज्यक्षेत्र में किसी भी प्रयोजन के लिए ऐसे इलेक्ट्रानिक वाणिज्य आपरेटर का प्रतिनिधित्व करने वाला कोई भी व्यक्ति कर का संदाय करने के लिए दायी होगा :

**परन्तु यह और** कि जहां इलेक्ट्रानिक वाणिज्य आपरेटर कराधेय राज्यक्षेत्र में स्वयं उपस्थित नहीं है और उक्त राज्यक्षेत्र में उसका कोई प्रतिनिधि भी नहीं है, वहां ऐसा इलेक्ट्रानिक वाणिज्य आपरेटर कर का संदाय करने के प्रयोजन के लिए दायी होगा, कराधेय राज्यक्षेत्र में किसी व्यक्ति को नियुक्त करेगा और ऐसा व्यक्ति कर का संदाय करने के लिए दायी होगा।

---